अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम अप्रैल 2020

Prep Smart. Score Better. Go gradeup

www.gradeup.co

अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

ऑपरेशन संजीवनी

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, एक भारतीय वायु सेना सी-130 जे परिवहन विमान ने ऑपरेशन संजीवनी के अंतर्गत आवश्यक दवाओं और अस्पताल के उपभोग के 6.2 टन को मालदीव को वितरित किया है।
- अन्य चीजों के अतिरिक्त, इन दवाओं में इन्फ्लूएंजा टीके, एंटी-वायरल दवाएं जैसे लोपिनाविर और रिटोनाविर शामिल हैं- जिनका उपयोग कोविड-19 के रोगियों के इलाज के लिए किया गया है।
- भारत ने तैयारियों को बढ़ाने के लिए डॉक्टरों की 14-सदस्यीय कोविड-19 रैपिड रिस्पांस टीम भी भेजी है।

मालदीव उन अग्रणी देशों में से एक रहा है जिन्हें कोविड संकट के दौरान भारतीय सहायता मिली है। यह कार्य भारत की पड़ोस की पहली नीति और मालदीव की भारत की पहली नीति के पारस्परिक संबंध के अनुरूप है। कार्रवाई में दोस्ती है।

मालदीव को भारत की पिछली सहायताएं

a. **ऑपरेशन कैक्टस**

- यह 1988 में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा आयोजित किया गया था, जिसने तख्तापलट के प्रयास को निष्प्रभावी करने में मालदीव की सरकार की मदद की है।

b. **ऑपरेशन नीर**

- यह 2014 में मालदीव की पेयजल संकट से निपटने में मदद करने के लिए आयोजित किया गया था।

c. **सैन्य युद्धाभ्यास**

एकुवेरिन

- यह भारत और मालदीव के बीच एक संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास है।
- यह 14 दिनों का संयुक्त युद्धाभ्यास है जो भारत और मालदीव में एकांतर क्रम में आयोजित किया जाता है।
- यह संयुक्त राष्ट्र के शासनादेश के अंतर्गत एक अर्ध-शहरी वातावरण में जवाबी कार्रवाई और आतंकवाद विरोधी अभियानों को अंजाम देने के लिए दोनों सेनाओं के बीच अंतरकार्यकारिता को बढ़ाने पर केंद्रित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- ए.आई.आर.

विश्व खाद्य कार्यक्रम

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, विश्व खाद्य कार्यक्रम ने कहा है कि तेजी से बढ़ती नॉवेल कोरोनावायरस महामारी का अब तक वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला पर बहुत कम प्रभाव पड़ रहा है, लेकिन यदि प्रमुख खाद्य आयातक चिंतित रहते हैं तो यह और भी बदतर हो सकता है।

विश्व खाद्य कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी

- यह संयुक्त राष्ट्र की खाद्य-सहायता शाखा है।
- यह दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय संगठन है, जो भूख को संबोधित करता है और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देता है।

उद्देश्य

- यह उन लोगों की मदद करने के लिए काम करता है जो अपने और अपने परिवार के लिए पर्याप्त भोजन का उत्पादन नही कर सकते हैं या पर्याप्त भोजन नहीं प्राप्त कर सकते हैं।
- इसकी स्थापना वर्ष 1961 में 1960 के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफ.ए.ओ.) सम्मेलन के बाद की गई थी।
- इसका मुख्यालय रोम (इटली) में स्थित है।
- यह संयुक्त राष्ट्र विकास समूह (यू.एन.डी.जी.) का सदस्य है और इसकी कार्यकारी समिति का हिस्सा है।

अन्य संबंधित जानकारी

- संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यू.एफ.पी.) ने भारत में भूख और कुपोषण के खिलाफ अपने सिनेमा विज्ञापन अभियान 'फीड अवर फ्यूचर' की शुरुआत की है।
- डब्ल्यू.एफ.पी. ने इसे यू.एफ.ओ. मूवीज - भारत का सबसे बड़े इन-सिनेमा विज्ञापन प्लेटफॉर्म और एस.ए.डब्ल्यू.ए.- वैश्विक सिनेमा विज्ञापन संघ के सहयोग से लॉन्च किया है।
- यह शोबॉक्स म्यूजिक टी.वी. चैनल, एल.एफ. (लिविंग फूड टी.वी. चैनल) और रेड एफ.एम. 93.5 द्वारा भी समर्थित है।
- यह भारत के दिल और दिमाग में शून्य भखमरी के संदेश को चलाने में मदद करेगा।

नोट: सतत विकास लक्ष्यों का लक्ष्य 2: भुखमरी समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना और पोषण में सुधार करना और सतत कृषि को बढ़ावा देना जिसका उद्देश्य भुखमरी को समाप्त करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- ए.आई.आर.

कोरोनावायरस के प्रसार को कम करने के लिए भारत में शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं

खबरों में क्यों हैं?

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग- विज्ञान एवं इंजीनियरिंग बोर्ड (डी.एस.टी.-एस.ई.आर.बी.) ने कई विशेष अनुसंधान परियोजनाओं की घोषणा की है।
- कार्यान्वयन योग्य प्रौद्योगिकियों में आगे के विकास के लिए पांच परियोजनाओं के पहले सेट का चयन किया गया है।

इन पांच प्रोजेक्ट के संदर्भ में जानकारी

Gradeup Green Card
Unlimited Access to 100+ Mock Tests
UPSC CSE, UPSC EPFO & State PCS Exams
Enrol Now

इन परियोजनाओं को कोविड- 19 प्रोजेक्टों के लिए एक विशेष विशेषज्ञ समिति द्वारा सहकर्मी-समीक्षा और मूल्यांकन के बाद चुना गया था।

• पहला प्रोजेक्ट कोरोनावायरस के लिए संभावित मेटाबोलाइट बायोमार्कर हस्ताक्षर की खोज और चिकित्सा के लिए नए लक्ष्यों की पहचान करने में मदद करेगा।

• बायोमार्कर या जैविक मार्कर, एक निश्चित समय पर एक कोशिका या एक जीव की गतिविधि को पकड़ता हैं और संभावित दवाओं या टीकों की पहचान करने में मदद करता है।

• दूसरी परियोजना कोरोनावायरस, सार्स-सी.ओ.वी.-2 जैसे संक्रामक रोगजनकों के कारण होने वाली संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में प्रयोग की जाने वाली निर्जीव सतहों के लिए विषाणुजनित कोटिंग्स को विकसित करने में मदद करेगी।

• तीसरी परियोजना इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए एंटीवायरल सतह कोटिंग्स को विकसित करने से संबंधित है।

• इसका उद्देश्य छोटे आणविक और बहुलक यौगिकों को विकसित करना है जो विभिन्न सतहों पर लेपित होंगे और श्वसन वायरस को संपर्क में आने पर पूरी तरह से मार देंगे।

• चौथी परियोजना, ऐसी सामग्री विकसित करना है जो सतहों को कीटाणुरहित करने और किसी भी चिपकने वाले वायरस या बैक्टीरिया को हटाने के लिए पोछे पर लगाई जा सकती है।

• पांचवीं परियोजना 2019-nCoV के एंटीबॉडी-आधारित कैप्चर के विकास और सीटू जेल में लिपिड-आधारित का उपयोग करके इसकी निष्क्रियता से संबंधित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- टी.ओ.आई., इकानॉमिक टाइम्स

कोरोनाबॉन्ड

खबरों में क्यों है?

• हाल ही में, "कोरोनाबांड" के विचार को जर्मनी, नीदरलैंड, फिनलैंड और ऑस्ट्रिया द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था, जो कि आर्थिक रूप से **"किफायती"** उत्तरी राज्य देनदारियों के डूबने के प्रति चिंतित है जिसे वे दक्षिणी यूरोप में अधिक खर्च करने वाले देशों के रूप में देखते हैं।

मुद्दा क्या था?

• वर्तमान में चल रहे वायरस के प्रकोप ने यूरोजोन देशों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए संयुक्त रूप से ऋण जारी करने और गहन आर्थिक मंदी को दूर करने के बारे में तीखी बहस को पुनर्जीवित कर दिया है, जिसका अनुसरण किया जाना है।

• इसके प्रकोप और इसके प्रभावों से लड़ने के लिए एकल मुद्रा का उपयोग करने वाले 19 देशों में से 9 देशों को एक यूरोपीय संस्था द्वारा जारी किए गए एक आम ऋण साधन के लिए 25 मार्च को बुलाया गया था।

मौजूदा तंत्र:

• यूरोज़ोन संयुक्त रूप से अपने राहत पैकेज निधि, यूरोपीय स्थिरता तंत्र के माध्यम से ऋण जारी करता है, जो कि यूरोज़ोन सरकारों द्वारा प्रदान की गई भुगतान-योग्य और प्रतिदेय पूंजी की सुरक्षा के खिलाफ बाजार पर उधार लेता है।

• यूरोपीय आयोग ने ग्रीस, आयरलैंड और पुर्तगाल के राहत पैकेज की सहायता के लिए यूरोपीय वित्तीय स्थिरता तंत्र (ई.एफ.एस.एम.) के माध्यम से ऋण जारी किया है।

• सभी 27 यूरोपीय संघ देशों ने ई.एफ.एस.एम. ऋण को ब्लॉक के संयुक्त दीर्घकालिक बजट के माध्यम से वापस किया है। यूरोपीय निवेश बैंक (ई.आई.बी.) उधार ले रहा है।

• ई.आई.बी., ईयू की निवेश शाखा, यूरोपीय संघ की सरकारों के स्वामित्व में है और प्रत्येक वर्ष लगभग 60 बिलियन यूरो ऋण जारी करती है, जो विभिन्न परियोजनाओं के लिए ऋण देती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

विश्व स्वास्थ्य संगठन वित्तपोषण

खबरों में क्यों है?

• हाल ही में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) को अमेरिकी वित्तपोषण को बंद करने की धमकी दी थी, जिसमें कहा गया था कि अंतर्राष्ट्रीय समूह ने कोरोनोवायरस महामारी पर "कॉल को मिस" किया था। वर्तमान में, संयुक्त राज्य अमेरिका, विश्व स्वास्थ्य संगठन का सबसे बड़ा योगदानकर्ता है, जो कुल वित्तपोषण का 14.67 प्रतिशत योगदान देता है।

डब्ल्यू.एच.ओ. कैसे वित्त पोषित होता है?

डब्ल्यू.एच.ओ. के लिए वित्तपोषण जुटाने हेतु चार तरह के योगदान हैं। ये हैं:

a. मूल्यांकन योगदान

b. निर्दिष्ट स्वैच्छिक योगदान

c. प्रमुख स्वैच्छिक योगदान

d. पी.आई.पी. योगदान

डब्ल्यू.एच.ओ. की वेबसाइट के अनुसार, योगदान की इस प्रकार व्याख्या की जा सकती है:

A. मूल्यांकन योगदान, संगठन के सदस्य बनने के लिए देश द्वारा देय राशि हैं। प्रत्येक सदस्य राज्य द्वारा भुगतान की जाने वाली राशि की गणना देश की धन और जनसंख्या के सापेक्ष की जाती है।

B. स्वैच्छिक योगदान, सदस्य राज्यों (उनके मूल्यांकन योगदान के अतिरिक्त) या अन्य भागीदारों से प्राप्त होता है। वे लचीले से लेकर अत्यधिक निर्धारित हो सकते हैं।

Gradeup Green Card
Unlimited Access to 100+ Mock Tests
UPSC CSE, UPSC EPFO & State PCS Exams
Enrol Now

C. प्रमुख स्वैच्छिक योगदान, कम अच्छी तरह से वित्त पोषित गतिविधियों को संसाधनों के बेहतर प्रवाह से लाभान्वित करने और तत्काल कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करने की अनुमति देता है जो तब उत्पन्न होता है जब तत्काल वित्तपोषण की कमी होती है।

D. इन्फ्लूएंजा वायरस को मानव महामारी क्षमता के साथ साझा करने में सुधार लाने और उन्हें विकसित करने और विकासशील देशों को टीके और अन्य महामारी की आपूर्ति में वृद्धि करने के लिए 2011 में महामारी इन्फ्लुएंजा तैयारी (पी.आई.पी.) योगदान शुरू किया गया था।

कुछ विशेषताएं

- हाल के वर्षों में, डब्ल्यू.एच.ओ. में मूल्यांकन योगदान में गिरावट आई है और अब इसके वित्तपोषण के एक-चौथाई से भी कम हिस्सा है।
- ये फंड डब्ल्यू.एच.ओ. के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे एक स्तर की भविष्यवाणी करते हैं और एक संकीर्ण दाता आधार पर निर्भरता को कम करते हैं।
- शेष धन के अधिकांश के लिए स्वैच्छिक योगदान करते हैं।

वर्तमान वित्तपोषण प्रारूप

- 2019 की चौथी तिमाही के दौरान, कुल योगदान 5.62 बिलियन अमरीकी डॉलर के लगभग था, जिसमें से 956 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्यांकन योगदान के, 4.38 बिलियन अमेरिकी डॉलर विशिष्ट स्वैच्छिक योगदान के, 160 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्रमुख स्वैच्छिक योगदान के और 178 मिलियन अमेरिकी डॉलर पी.आई.पी. योगदान के थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

रासायनिक हथियार निषेध संगठन (ओ.पी.सी.डब्ल्यू.)

खबरों में क्यों है?

- वैश्विक रासायनिक हथियार प्रहरी के रूप में माने जाने वाले ओ.पी.सी.डब्ल्यू. ने पहली बार स्पष्ट रूप से जहरीले हमलों के लिए सीरिया को दोषी ठहराया है, इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति बशर अल-असद की वायु सेना ने 2017 में तीन बार नर्व गैस सरीन और क्लोरीन का इस्तेमाल किया था।

रासायनिक हथियार निषेध संगठन के संदर्भ में जानकारी

- यह एक अंतरसरकारी संगठन है और रासायनिक हथियार सम्मेलन के लिए कार्यान्वयन निकाय है, जो 1997 से प्रभावी हुआ था।

मिशन

- ओ.पी.सी.डब्ल्यू. का मिशन रासायनिक हथियारों से मुक्त दुनिया के अपने दृष्टिकोण और उनके उपयोग के खतरे को प्राप्त करने के लिए रासायनिक हथियार सम्मेलन के प्रावधानों को लागू करना है। यह रासायनिक हथियारों को स्थायी रूप से और मौखिक रूप से समाप्त करने के वैश्विक प्रयास की देखरेख करता है।
- इसका मुख्यालय नीदरलैंड के हेग में स्थित है।

सदस्यता:

- सम्मेलन हेतु राज्य पार्टियां: 193
- हस्ताक्षरकर्ता राज्य: 1
- गैर-हस्ताक्षरकर्ता राज्य: 3

Gradeup Green Card
Unlimited Access to 100+ Mock Tests
UPSC CSE, UPSC EPFO & State PCS Exams
Enrol Now

यह कैसे काम करता है?

ओ.पी.सी.डब्ल्यू. के सदस्य राज्य युद्ध के लिए पुन: रसायनिक हमलों की रोकथाम के सामूहिक लक्ष्य को साझा करते हैं, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है। इसके लिए, सम्मेलन में चार प्रमुख प्रावधान शामिल हैं:

- ओ.पी.सी.डब्ल्यू. द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सत्यापन के अंतर्गत सभी मौजूदा रासायनिक हथियारों को नष्ट करना
- रासायनिक हथियारों को फिर से उभरने से रोकने के लिए रासायनिक उद्योग की निगरानी करना
- रासायनिक खतरों के खिलाफ राज्यों की पार्टियों को सहायता और सुरक्षा प्रदान करना
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और रसायन विज्ञान के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना

नोबेल शांति पुरस्कार

- ओ.पी.सी.डब्ल्यू. को वर्ष 2013 में सीरिया के नागरिक क्षेत्र में सबसे हाल ही में रासायनिक हथियारों को खत्म करने के व्यापक प्रयासों के लिए "नोबेल शांति पुरस्कार" से सम्मानित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- ए.आई.आर.

आसियान विशेष शिखर सम्मेलन

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, वियतनाम कोरोनोवायरस वैश्विक महामारी के कारण वीडियो-सम्मेलन के माध्यम से एक विशेष दक्षिणपूर्व एशियाई राष्ट्र संगठन (आसियान) की अध्यक्षता कर रहा है।

आसियान विशेष शिखर सम्मेलन के संदर्भ में जानकारी

- इस शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता एच. ई. न्गूयेन ज़ुआन फुक, वियतनाम के प्रधानमंत्री द्वारा अपनी क्षमता में आसियान के अध्यक्ष के रूप में की गई है।
- शिखर सम्मेलन में, वायरल के प्रकोप के प्रतिकूल प्रभावों और लोगों की भलाई और वैश्विक सामाजिक-आर्थिक विकास पर चिंता व्यक्त की गई है।

शिखर सम्मेलन की मुख्य विशेषताएं

- राष्ट्रों के प्रमुखों ने एकजुट रहने का संकल्प लिया है और 'एकजुट और उत्तरदायी आसियान' की भावना में दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

• डब्ल्यू.एच.ओ. के साथ प्रतिबद्ध होकर काम करने का संकल्प लिया है। सार्वजनिक स्वास्थ्य सहयोग उपायों को मजबूत करने के लिए सदस्य राज्यों द्वारा लिए गए वास्तविक समय की स्थिति और महामारी संबंधी प्रतिक्रिया उपायों के बारे में जानकारी का समयबद्ध साझाकरण और पारदर्शी आदान-प्रदान करें, जिससे कि अन्य चीजों के बीच महामारी को नियंत्रित किया जा सके और लोगों की रक्षा की जा सके।

• कोविड-19 के खिलाफ आसियान की सामूहिक लड़ाई में हमारे लोगों की भलाई को प्राथमिकता दें।

• संकट की स्थिति में आसियान सदस्य देशों के नागरिकों को तीसरे देश में आसियान मिशन द्वारा आपातकालीन सहायता के प्रावधान पर आसियान दिशानिर्देशों के प्रभावी संचालन को प्रोत्साहित करना।

• सदस्य देश व्यापार और निवेश के लिए आसियान के बाजारों को खुला रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं और आसियान के सदस्य देशों के बीच और आसियान के बाहरी साझेदारों के साथ सहयोग बढ़ाते हैं।

• आसियान प्लस थ्री इमरजेंसी राइस रिजर्व (APTERR) की खाद्य सुरक्षा उपयोगिता सुनिश्चित करने का प्रयास करता है।

• कोविड-19 के प्रभाव से पीड़ित लोगों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) और कमजोर समूहों और व्यवसायों की मदद करने सहित नीति प्रोत्साहन के माध्यम से विश्वास को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था की स्थिरता में सुधार करने के लिए उपयुक्त उपायों को लागू करना।

• सदस्यों ने सीखे गए सबक साझा करने, आसियान की कनेक्टिविटी, पर्यटन, सामान्य व्यवसाय और सामाजिक गतिविधियों को बहाल करने, संभावित आर्थिक मंदी को रोकने के लिए एक पोस्ट-महामारी बहाली योजना के विकास को बढ़ावा किया है।

• मौजूदा उपलब्ध निधियों के पुनः आवंटन में सहायता करना और कोविड-19 के खिलाफ सहयोग की सुविधा के लिए आसियान के भागीदारों से तकनीकी और वित्तीय सहायता को प्रोत्साहित करना है, जिसमें कोविड-19 आसियान प्रतिक्रिया कोष की प्रस्तावित स्थापना शामिल है।

दक्षिणपूर्व एशियाई राष्ट्र संगठन (आसियान) के संदर्भ में जानकारी

• आसियान, एक क्षेत्रीय समूह है, जिसे 1967 में बैंकॉक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर के साथ स्थापित किया गया था।

• सदस्य देश: इंडोनेशिया, थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, फिलीपींस, वियतनाम, म्यांमार, कंबोडिया, ब्रुनेई और लाओस हैं।

• इसका मुख्यालय इंडोनेशिया के जकार्ता में स्थित है।

• भारत, जो कि आसियान का एफ.टी.ए. भागीदार भी है, भारत नवंबर, 2019 में आर.सी.ई.पी. से बाहर हो गया है।

आर.सी.ई.पी. क्या है?

• क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आर.सी.ई.पी.), दक्षिणपूर्व एशियाई राष्ट्र संगठन (आसियान) के सदस्य राज्यों और इसके मुक्त व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) के भागीदारों के बीच एक प्रस्तावित समझौता है।

• इस संधि का उद्देश्य उत्पाद और सेवाओं, बौद्धिक संपदा आदि में व्यापार को शामिल करना है।

• पिछले वर्ष नवंबर, 2019 में, भारत ने उस समझौते में असंतुलन को लेकर चीन और अन्य आसियान देशों के साथ आर.सी.ई.पी. समझौते में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।

• आर.सी.ई.पी. का लक्ष्य 16 देशों के साथ एक एकीकृत बाजार का निर्माण करना है, जिससे कि इन देशों में से प्रत्येक के उत्पाद और सेवाएं इस पूरे क्षेत्र में आसानी से उपलब्ध हो सके।

Gradeup Green Card
Unlimited Access to 100+ Mock Tests
UPSC CSE, UPSC EPFO & State PCS Exams
Enrol Now

• भारत, आर.सी.ई.पी. व्यापार समझौते में शामिल होने के लिए अनिच्छुक था क्योंकि इसके उद्योग चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ होंगे और चीनी सामान की भारतीय बाजारों में बाढ़ आ जाएगी। भारत के किसान भी चिंतित थे कि वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ होंगे।

अन्य संबंधित शिखर सम्मेलन

A. आसियान प्लस थ्री

• यह एक मंच है, जिसे 1997 में दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संगठन (आसियान) और चीन, दक्षिण कोरिया और जापान के तीन पूर्वी एशियाई देशों के बीच सहयोग के समन्वयक के रूप में कार्य करने के लिए स्थापित किया गया था।

B. पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन

• यह 2005 में स्थापित किया गया था। इसमें आठ सदस्यों: ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, भारत, न्यूज़ीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ आसियान देशों के दस सदस्य राष्ट्र शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- टी.ओ.आई.

खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट 2020

खबरों में क्यों है?

• ग्लोबल नेटवर्क ने खाद्य संकट के खिलाफ खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट 2020 जारी की है।

• रिपोर्ट एक सर्वसम्मति-आधारित और बहु-साझेदार विश्लेषणात्मक प्रक्रिया का परिणाम है, जिसमें 16 अंतर्राष्ट्रीय मानवीय और विकास भागीदार शामिल हैं।

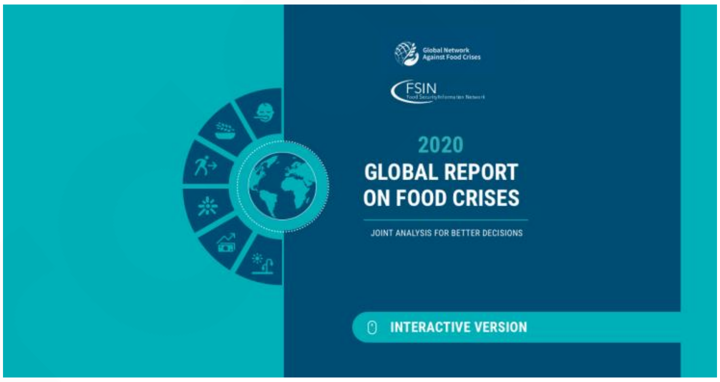

वैश्विक रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष

• खाद्य संकट के खिलाफ ग्लोबल नेटवर्क की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2019 के अंत में 55 देशों और क्षेत्रों के 135 मिलियन लोगों ने तीव्र खाद्य असुरक्षा का अनुभव किया है। इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में शामिल किए गए 55 खाद्य-संकट वाले देशों में 75 मिलियन बच्चें अविकसित हैं और 17 मिलियन वर्ष 2019 में बर्बादी से पीड़ित हुए हैं।

• यह वर्ष 2017 में रिपोर्ट के पहले संस्करण के बाद से नेटवर्क द्वारा प्रलेखित तीव्र खाद्य असुरक्षा और कुपोषण का उच्चतम स्तर है।

• रिपोर्ट में शामिल किए गए 135 मिलियन लोगों में से आधे (73 मिलियन) से अधिक लोग अफ्रीका, 43 लाख मध्य पूर्व और एशिया में, 18.5 मिलियन लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में रहते हैं।

तीव्र खाद्य असुरक्षा के संदर्भ में जानकारी

• तीव्र खाद्य असुरक्षा, वह है जब किसी व्यक्ति की पर्याप्त भोजन का उपभोग करने की अक्षमता उसके जीवन या आजीविका को तत्काल खतरे में डालती है।

• यह एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण (आई.पी.सी.) और कैडर हार्मोलाइज़ जैसे चरम भुखमरी के अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृत उपायों पर आधारित है।

• खाद्य संकट के खिलाफ ग्लोबल नेटवर्क की रिपोर्ट प्रमुख निष्कर्षों के साथ, भागीदारों द्वारा बयान और इसकी सामग्री को अनपैक करने वाले मल्टीमीडिया उत्पादों पर अब उपलब्ध हैं:

खाद्य संकट के खिलाफ वैश्विक नेटवर्क

• इसे वर्ष 2016 के विश्व मानवीय शिखर सम्मेलन (डब्ल्यू.एच.एस.) के दौरान यूरोपीय संघ, खाद्य एवं कृषि संगठन (एफ.ए.ओ.) और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यू.एफ.पी.) द्वारा लॉन्च किया गया था।

• इसका उद्देश्य मानवीय और विकास के दृष्टिकोण से खाद्य संकटों का मुकाबला करना है और हितधारकों के बीच समन्वय को बढ़ावा देने और परियोजनाओं के कार्यान्वयन द्वारा इसके मूल कारणों से निपटना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- खाद्य सुरक्षा

स्रोत- यूनिसेफ और टी.ओ.आई.

यू.एन.75 पहल

खबरों में क्यों है?

• संयुक्त राष्ट्र की 75वीं वर्षगांठ पहल (यू.एन.75) ने दुनिया भर के लोग अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को कैसे देखते हैं, इस संदर्भ में 2020 के पहले तीन महीनों में एकत्र आंकड़ों से प्रारंभिक निष्कर्ष निकाला है।

डेटा की मुख्य विशेषताएं

• 'हमारे प्रयासों को संयोजित करने का संकल्प: यू.एन.75 सर्वेक्षण और संवाद का प्रारंभिक मूल्यांकन' नामक यू.एन.75 कार्यालय के प्रकाशन के शीर्षक के अनुसार, वर्ष 2020 के प्रारंभ में एकत्र किए गए आंकड़े इंगित करते हैं कि:

a. वैश्विक रुझानों के प्रबंधन पर एक साथ काम करने के लिए देशों का भारी समर्थन

b. फरवरी के अंत में समर्थन बढ़ना शुरू हो जाएगा, जो दुनिया भर में कोविड-19 के प्रसार के साथ मेल खाता है।

Gradeup Green Card
Unlimited Access to 100+ Mock Tests
UPSC CSE, UPSC EPFO & State PCS Exams
Enrol Now

• प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण यह भी दर्शाता है कि लोगों का मानना है कि जलवायु और पर्यावरण, मानवता के भविष्य को सबसे अधिक प्रभावित करेंगे।

यू.एन.75 पहल के संदर्भ में जानकारी

• संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2019 में यू.एन.75 पहल की शुरुआत की है।

• इसका उद्देश्य एक संवाद शुरू करके वर्ष 2045 के लिए एक वैश्विक दृष्टिकोण का निर्माण करना है और कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद हम कैसे बेहतर दुनिया बना सकते हैं, इस पर कार्य करना है।

• संवाद के माध्यम से उत्पन्न दृष्टिकोण और विचार सितंबर, 2020 में महासभा के 75वें सत्र के दौरान प्रस्तुत किए जाएंगे।

संयुक्त राष्ट्र के संदर्भ में जानकारी

• यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वर्ष 1945 में स्थापित एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।

• इसके घोषणापत्र को 26 जून, 1945 को सैन फ्रांसिस्को में हस्ताक्षरित किया गया था और 51 देशों द्वारा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद 24 अक्टूबर, 1945 को यह अस्तित्व में आया था।

• इसके पूर्ववर्ती, 1919 में वर्साय की संधि द्वारा बनाए गए राष्ट्र संघ 1946 में भंग कर दिया गया था।

• इसका मिशन अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना, राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को विकसित करना और सामाजिक प्रगति, बेहतर जीवन स्तर और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना है।

• इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क में स्थित है और इसकी आधिकारिक भाषाएं- अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश, रूसी हैं।

• सदस्य- 193 (नवीनतम सदस्य दक्षिण सूडान)

• महासचिव- एंटोनियो गुटेरेस (पुर्तगाल)

इसके छह प्रमुख अंग हैं:

I. महासभा

II. सुरक्षा परिषद

III. आर्थिक एवं सामाजिक परिषद

IV. न्यास परिषद

V. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय

VI. संयुक्त राष्ट्र सचिवालय

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- यूएन.ऑर्ग

वैश्विक आतंकवाद सूचकांक (जी.टी.आई.) 2019

खबरों में क्यों है?

• नीति आयोग द्वारा संकलित एक रिपोर्ट ने अर्थशास्त्र एवं शांति संस्थान द्वारा भारत को सातवें सबसे खराब आतंकवाद प्रभावित देश के रूप में स्थान प्रदान करने हेतु अपनाई गई कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है।

Gradeup Green Card
Unlimited Access to 100+ Mock Tests
UPSC CSE, UPSC EPFO & State PCS Exams
Enrol Now

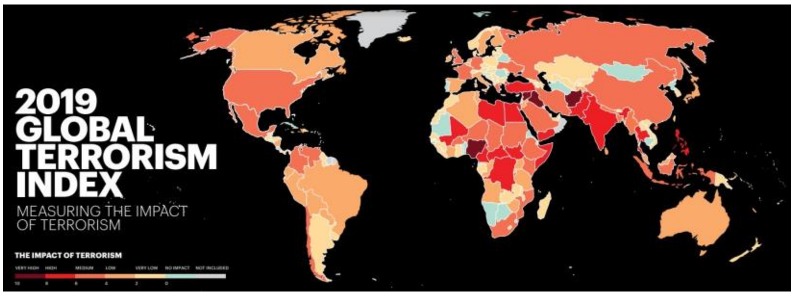

सूचकांक की मुख्य विशेषताएं

• भारत, वार्षिक वैश्विक आतंकवाद सूचकांक (जी.टी.आई.) 2019 में पिछले वर्ष आठवें से सातवें स्थान पर आ गया है।

• इससे आगे के देश अफगानिस्तान, इराक, नाइजीरिया, सीरिया, पाकिस्तान और सोमालिया हैं। पहले से छठें स्थान वाले देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, दक्षिण सूडान, सूडान, बुर्किना फासो, फिलिस्तीन और लेबनान हैं।

वैश्विक आतंकवाद सूचकांक (जी.टी.आई.) 2019 के संदर्भ में जानकारी

• यह रिपोर्ट अर्थशास्त्र एवं शांति संस्थान (आई.ई.पी.) द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाती है।

• सूचकांक वर्ष 2000 के बाद से आतंकवाद में प्रमुख वैश्विक रूझानों और प्रारूपों का एक व्यापक सारांश प्रदान करता है।

• यह आतंकवाद के प्रभाव के संदर्भ में देशों को क्रमिक स्थान प्रदान करने के लिए एक समग्र स्कोर का जारी करता है।

• सूचकांक, आतंकवाद के प्रभाव की एक स्पष्ट तस्वीर बनाने, रूझान की व्याख्या करने और शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं द्वारा विश्लेषण के लिए एक डेटा श्रृंखला प्रदान के लिए आतंकवादी हमलों से संबंधित कई कारकों को संयोजित करता है।

सूचकांक में प्रयुक्त डेटाबेस

• यह सूचकांक, वैश्विक आतंकवाद डेटाबेस (जी.टी.डी.) के आंकड़ों पर आधारित है।

• जी.टी.डी. को मैरीलैंड विश्वविद्यालय में आतंकवाद और आंतकवाद के लिए प्रतिक्रियाओं के अध्ययन (स्टार्ट) हेतु राष्ट्रीय संघ द्वारा एकत्र किया जाता है और उसकी तुलना की जाती है।

• इसने आतंकवाद के 190,000 मामलों को संहिताबद्ध किया है।

इन स्कोरों का इस्तेमाल कहां होता है?

इन स्कोरों का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न सूचकांकों में उपयोग किया जाता है।

• वॉक फ्री फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित वैश्विक शांति सूचकांक, वैश्विक गुलामी रिपोर्ट में प्रत्यक्ष रूप से सूचकांक के स्कोर का उपयोग किया गया था।

• इसका उपयोग अप्रत्यक्ष रूप से विश्व आर्थिक मंच की यात्रा एवं पर्यटन प्रतिस्पर्धा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूचकांक और आर्थिक खुफिया इकाई द्वारा सुरक्षित शहर सूचकांक के संकलन में देश के स्कोर की गणना करने के लिए किया जाता है।

अर्थशास्त्र एवं शांति संस्थान के संदर्भ में जानकारी

• अर्थशास्त्र एवं शांति संस्थान (आई.ई.पी.), एक वैश्विक प्रबुद्ध मंडल है, जिसका मुख्यालय ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में स्थित है, इसकी शाखाएं न्यूयॉर्क शहर, मेक्सिको सिटी और हेग में स्थित हैं।

• इसने वैश्विक शांति सूचकांक भी प्रकाशित किया था।

नोट: वर्ष 2017 में, भारत ने ऑस्ट्रेलिया की वॉक फ्री फाउंडेशन द्वारा संकलित एक वैश्विक गुलामी रिपोर्ट में अपनी रैंकिंग को चुनौती देते हुए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आई.एल.ओ.) को लिखा था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- महत्वपूर्ण सूचकांक, स्रोत- द हिंदू

अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम अप्रैल 2020

Prep Smart. Score Better. Go gradeup

www.gradeup.co